Nai Dunia (Indore), 19th May 2023, Naidunia City, Page-IV

आइआइटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हुए शामिल

स्टार्टअप सफल कैसे हो सिखा रहा आइआइटी इंदौर

स्टार्टअप के क्षेत्र में इंदौर तेजी से देश के नक्शे पर अपने पांव जमा रहा है। इंदौर से शुरू हुए कई स्टार्टअप आज देश-दुनिया में छाए हुए हैं और अपने शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। इस क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए आइआइटी इंदौर ने नए युवाओं को स्टार्टअप के क्षेत्र में लाने का बीड़ा उठाया है। संस्थान नए लोगों को स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने और जोड़ने के लिए अपने सीपीएस फाउंडेशन के माध्यम से प्रयास कर रहा है। उन्हें प्रशिक्षण देने के साथ स्टार्टअप शुरू करने की हर जरूरी जानकारी दी जा रही है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर मध्य प्रदेश सहित देशभर के स्टार्टअप और उद्योगों को रफ्तार देने का काम कर रहा है। इसी के तहत गुरुवार को आइआइटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन द्वारा रिइनवेंटिंग द फ्यूचर- सेलिब्रेटिंग मैन्युफैक्चरिंग विषय पर चर्चा हुई। इसके साथ ही द नेशनल मैन्युफेक्चरिंग केस स्टडी काम्पीटिशन के तहत टेक्नोलाजी, इनोवेशन, क्वालिटी और कास्ट विषय पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में इंदौर, पीथमपुर और देवास सहित दिल्ली- तमिलनाडु की 18 अग्रणी निर्माण कंपनियों के 100 से ज्यादा पेशेवर शामिल हुए। उद्योग, स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान करने इसका आयोजन किया गया।

आइआइटी इंदौर में स्टार्टअप के बारे में जानकारी देते विशेषज्ञ। ●सौ .संस्थान

स्टार्टअप और शोधकर्ताओं की दूरी घटाने का काम

आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर और आइआइटी-आइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के परियोजना निदेशक प्रोफेसर भूपेश कुमार लाड ने फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि उद्योग, स्टार्टअप और शोधकर्ताओं के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए फाउंडेशन काम कर रहा है। हमारा मकसद है उद्योगों और स्टार्टअप के कार्य बेहतर तरीके से हो सकें। उत्पाद और सेवा को और बेहतर करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। इसके लिए आइआइटी इंदौर पूरी मदद कर रहा है। दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सीईओ आदित्य एसजी व्यास ने बताया इसके पहले भी फाउंडेशन के तहत विभिन्न कार्य किए गए हैं। आइआइटी में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मौजूद हैं। ऐसे में स्टार्टअप और उद्योगों को अपने उत्पादों और सेवाओं को बेहतर करने में मदद मिल रही है।

केस स्टडी का मूल्यांकन किया गया

कार्यक्रम में विभिन्न उद्योगों ने केस स्टडी के माध्यम से उत्पादों को बेहतर करने के तरीके साझा किए। इन केस स्टडी का मूल्यांकन भी किया गया। विशेषज्ञों की पैनल में समीर नायक, प्रो . सत्यजीत चटर्जी, उपेंद्र एम . एओले और अन्य सदस्य शामिल थे। इन्होंने विभिन्न विषयों पर बात की।